# ढोकलो सोहोर शासन व्यवस्था

- ढोकलो सोहोर शासन व्यवस्था खड़िया जनजाति की पांरपरिक शासन व्यवस्था है।

## खड़िया जनजाति

- खड़खड़िया (पालकी) ढोने के कारण नाम खड़िया पड़ा
- इनकी भाषा खड़िया है जो आस्ट्रो एशियाटिक भाषा परिवार की भाषा है।
- झारखंड की पांचवी सबसे बड़ी जनजाति
- प्रोटोऑस्ट्रेलायड समूह से संबधित
- मुख्य निवास – सिमडेगा , गुमला , रांची
- तीन प्रकार – 1. पहाड़ी खड़िया , 2. ढेलकी खड़िया ,3. दुध खड़िया

- **ढोकलो–सोहोर शासन व्यवसथा**

CAREER FOUNDATION
उठो राष्ट्र सेवा का

⇒खड़िया भाषा मे ढोकलो – बैठक

⇒ सोहोर – अध्यक्ष

- 1934–35 के आस–पास खड़िया जाति के अग्रणी लोगो के द्वारा अपने समाज को संगठित व सशक्त बनाने हेतु अखिल भारतीय महासभा का गठन किया गया । जिसे ढोकलो के नाम से जाना जाता है।
- ढोकलो का सभापति जो संम्पूर्ण खड़िया समाज का राजा होता है, ढोकलो सोहोर कहलाता है।
- इनका कार्यकाल 3 वर्षो का होता है।

- **ढोकलो सोहोर शासन व्यवस्था दो स्तरीय है।**

1) ग्राम स्तरीय 2) साहोर स्तरीय

## 1) ग्राम स्तर

- ग्राम का प्रधान – ढोकलो
- ढोकलो ग्राम सभा की बैठक आहूत करता है तथा बैठक की अध्यक्षता करता है।

- महतो – ढोकलो का सहायक जिसमें कभी गांव को बसाया था । इन्हे ही गांव का मुख्य व्यक्ति कहकर महतो की उपाधि दी जाती है । यह पद वंशानुगत है मगर गांव वालो की सहमति से बदल भी सकता है ।
- पाहन – गांव के पर्व त्योहार मे पुजा पाठ करवाने वाला । यह पद भी वंशानुगत है मगर बदला जा सकता है
- करटाहा – गांव मे जब किसी परिवार को अशुद्ध करार दिया जाता है तब उसके शुद्धकरण के लिए करटाहा होता है। यह पद वंशानुगत नही होता है।
  - 20–25 गांवो के अनुभवी लोग मिलकर पंचायत में गांव के सुयोग्य व्यक्ति को करटाहा चुनते है।
  - करटाहा इमानदार , बुद्धीमान , निष्पक्ष समाजिक सांस्कृतिक विधानों का जानकर होता है।
- रेड – यह करटाहा से बड़ा पद है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

## 2) सोहोर स्तर

- सोहोर स्तर का प्रमुख खड़िया राजा या सोहोर कहलाता है।
- खड़िया राजा खड़िया महासभा का सर्वोच्च सभापति होता है।

- लिखाकड़
  - ➢ खड़िया राजा का सचिव या मंत्री
  - ➢ ये खड़िया राजा को सामाजिक , राजनीतिक व प्रशासनिक कार्यो मे सहयोग देते है ।
- तिंजाडकर/खजांची – यह खड़िया राजा के आय व व्यय का विवरण रखता है।
- देवान या सलाहकार – खड़िया राजा का सलाहकार
  - ➢ आवश्यकता पड़ने पर आर्थिक दंड देने का काम
- कालो या पाहन
  - ➢ प्रत्येक दुध खड़िया और ढेलकी खड़िया गांव का एक पुजारी होता है।
  - ➢ यह वंशानुगत पद है ।
  - ➢ बड़े खड़िया गांव के कालो को पाहन कहते है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

## कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

❖ खड़िया के तीन प्रकार

1. पहाड़ी खड़िया/शबर खड़िया
2. दूध खड़िया
3. ढेलकी खड़िया

➢ पहाड़ी खड़िया का प्रधान इंडिया कहलाता है।

➢ पहाड़ी खड़िया गांव के प्रधाान मंत्री डिहुरी (पुजारी)

➢ खड़िया शब्द ढोकलो सोहोर – सभापति